हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 135 देहरादून, मंगलवार, 15 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

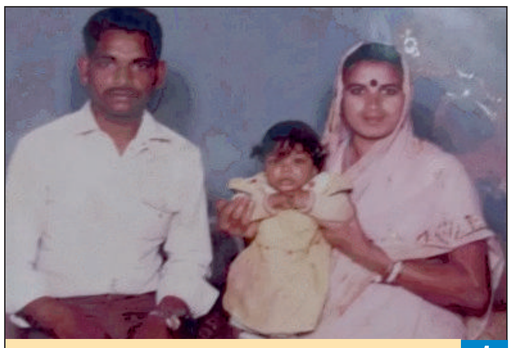

जब डीएम बागेश्वर अनुराधा पाल की माता मिथलेश और पिता सतीश पाल का सपना सच हुआ

4

गौचर में 70वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली/देहरादून, 15 नवंबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गौचर में 70वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक मेले का विधिवत उद्घाटन किया। मेले के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के पहुंचने पर उनका बैंड की मधुर धुन के साथ फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक गौचर मेला मैदान को मिनि स्टेडियम के रूप में विकसित करने और गौचर मेले के सफल संचालन के लिए 10 लाख देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने गौचर मेले में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गौचर मेला संस्कृति, बाजार तथा उद्योग तीनों के समन्वय के कारण एक प्रसिद्ध राजकीय मेला है और साल दर साल यह मेला अपनी ऊँचाईयों को छू रहा है। उन्होंने मेले को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विशिष्ट और

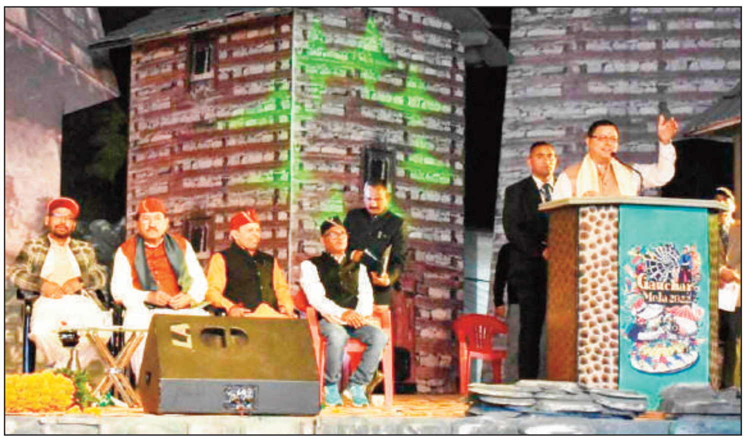

ऐतिहासिक मेला हमारे राज्य के प्रमुख मेलों में से एक है और इसमें सरकार के अधिकांश विभाग भाग लेते हैं। मेले हमारे जीवन में इन्द्रधनुषी रंगों की तरह हैं, जो जीवन में ताजगी और उत्साह भर देते हैं। प्राचीन समय में, जब संचार और परिवहन की कोई ऐसी सुविधाएं नहीं थीं, तो इन मेलों ने सामाजिक ताने बाने को बुनने में बहुत मदद की और लोगों का सामाजिक और व्यावहारिक दायरा बढ़ाया। हमारे देश में और विशेष रूप से उत्तराखंड में अधिकतर मेले सांस्कृतिक मेल मिलाप का माध्यम रहे हैं, परंतु गोचर मेला विशेष है, क्योंकि संस्कृति की छठा बिखेरने के अलावा यह मेला यहां की जनता के व्यापारिक अवसरों को भी बढ़ाता है। इस मेले में प्रदर्शित झांकियों ने उत्तराखंड की विशिष्ट एवं बहुआयामी संस्कृति को प्रदर्शित किया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकार रमेश गैरोला को गोविंद प्रसाद नौटियाल पत्रकार सम्मान और यूथ फाउंडेशन संचालित करने के लिए अनिल नेगी को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने देवेश जोशी द्वारा लिखी पुस्तक 'धूम सिंह चौहान' का विमोचन भी किया।गौचर मेले में पहले दिन रावल देवता की पूजा के बाद प्रातः स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। मेलाध्यक्ष द्वारा झंडारोहण कर मार्चपास की सलामी ली गई। गौचर मेला मुख्य द्वार से चटवापीपल पुल तक एवं वापसी उसी रूट से होते हुये मुख्य मेला द्वार तक क्रास कण्ट्री दौड़ का आयोजन किया गया। खेल मैदान में बालक एवं बालिकाओं की दौड़, नेहरू चित्रकला प्रतियोगिता, शिशु प्रदर्शनी और शिक्षण संस्थाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गौचर मेले में पारम्परिक पहाडी संस्कृति से सजा पांडाल मेलार्थियों के बीच खासे आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल एवं मेला उपाध्यक्ष अंजू बिष्ट ने गौचर मेले का शुभांरभ करने पर मुख्यमंत्री का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया और मुख्यमंत्री को क्षेत्र की समस्या से अवगत कराते हुए समस्याओं के निदान के लिए मांग पत्र भी दिया।

मुख्य सचिव ने दिए हैलीपेडस के डीपीआर तैयार करने के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 15 नवम्बर। मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने हेलीपोर्ट्स एवं हेलीपैड्स की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को हेलीपोर्ट्स एवं हेलीपैड्स के निर्माण में तेजी लाने के साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिन स्थानों पर हेलीपैड्स और हेलीपोर्ट्स के लिए भूमि चयनित कर ली गई है, शीघ्र उनकी डीपीआर तैयार कर ली जाए। लैंड ट्रांसफर में अटके मामलों को प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर निस्तारित किया जाए। मुख्य सचिव ने पर्यटन विभाग को पर्यटकों को भी ध्यान में रखते हुए लगातार नए हेलीपोर्ट्स और हेलीपैड्स बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूर दराज के अनछुए क्षेत्रों में भी पर्यटन स्थलों की तलाश लगातार जारी रखते हुए उन्हें विकसित कर पर्यटकों के लिए आसान पहुंच बनाने के लिए हेलीपैड्स और हेलीपोर्ट्स तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हेलीपैड और हेलीपोर्ट के लिए कार्य पूर्ण होने तिथि पूर्व में ही निर्धारित की जाए। साथ ही, सभी हेलीपोर्ट्स एवं हेलीपैड्स के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेशभर में विभिन्न हेलीपोर्ट्स और हेलीपैड्स पर कार्य गतिमान है। कोटी कॉलोनी स्थित हेलीपोर्ट का कार्य पूर्ण हो चुका है। 06 हेलीपोर्ट्स का निर्माण कार्य गतिमान है, जिनको दिसम्बर माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। पर्यटन विभाग द्वारा भी नए हेलीपैड्स चिन्हित कर उनके निर्माण कार्य विभिन्न स्तरों पर गतिमान है। इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, सीईओ सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी सी. रविशंकर सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के संतों ने मंत्री गणेश जोशी से भेंट की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,15 नवंबर , श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल कनखल हरिद्वार में असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की साजिशों के खिलाफ श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के संतो का शिष्टमंडल ने कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री के नेतृत्व में काबीना मंत्री गणेश जोशी से मुलाकात की। संतो ने पूरे प्रकरण से मंत्री गणेश जोशी को अवगत कराया। जिसपर मंत्री जोशी ने संज्ञान लेते हुए हरिद्वार एसएसपी को निर्देशित करते हुए तत्काल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को निर्देशित किया।

साथ ही अखाड़ा से जुड़ी संतो और पदाधिकारियों को समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर कोठारी महंत जसविंदर सिंह शास्त्री,दर्शन सिंह शास्त्री, स्वामी परमानंद, जरनैल सिंह आदि उपस्थित रहे।

तैयार हो जाइये जल्द मिल सकती है आपको मेट्रो की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवंबर , वर्ष 2017 से दून में न सिर्फ मेट्रो रेल का ख्वाब अधर में लटका है, बल्कि इस ख्वाब ने मेट्रो रेल के साथ पीआरटीएस, एलरटीएस, केबल कार के रूप में कई रंग भी बदले। हालांकि, करीब पांच साल बाद अब इस ख्वाब के मेट्रो नियो के रूप में साकार होने की उम्मीद जागी है।उत्तराखंड मेट्रो रेल कार्पोरेशन (यूकेएमआरसी) ने मेट्रो नियो की जो डीपीआर राज्य सरकार के माध्यम से केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय को भेजी थी, उसके जल्द स्वीकृत होने की उम्मीद बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि नए साल पर जनवरी माह में डीपीआर को मंजूरी मिल सकती है।यूकेएमआरसी की डीपीआर के मुताबिक, मेट्रो नियो का संचालन दून के दो कारीडोर में किया जाना है। एक कारीडोर आइएसबीटी से गांधी पार्क के बीच है, जबकि दूसरा कारीडोर एफआरआइ से रायपुर है।

1900 करोड़ की है परियोजना

नियो मेट्रो परियोजना करीब 1900 करोड़ रुपये की है। इसमें 20-20 प्रतिशत राशि केंद्र व राज्य की होगी, जबकि शेष 60 प्रतिशत राशि लोन के माध्यम से जुटाई जाएगी। यह परियोजना पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर तैयार की जाएगी। यूकेएमआरसी के प्रबंध निदेशक जितेंद्र त्यागी के मुताबिक डीपीएआर की स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार से निरंतर संपर्क किया जा रहा है। ऐसी उम्मीद जागी है कि नए साल पर स्वीकृति के रूप में यह सौगात दून को मिल जाएगी।

यह होंगे दून के कारीडोर

आइएसबीटी से गांधी पार्क, 09 किमी

एफआरआइ से रायपुर, 13 किमी

ऋषिकेश-नीलकंठ रोपवे की डीपीएआर तैयार, कैबिनेट में रखेंगे

यूकेएमआरसी दो रोपवे परियोजना पर भी काम कर रही है। इसमें 150 करोड़ रुपये के हरिद्वार में चंडी देवी मंदिर रोपवे की डीपीआर स्वीकृत है, लेकिन भूमि विवाद में मामला फंसा है। वहीं, करीब 350 करोड़ रुपये के ऋषिकेश में आइएसबीटी-त्रिवेणी घाट-नीलकंठ मंदिर रोपवे की डीपीआर तैयार कर दी गई है। इसे मंजूरी के लिए जल्द राज्य कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा।

हिचकोले खाते हुए अब मंजिल की तरफ मेट्रो

मेट्रो रेल परियोजना का अब तक का सफर होचकोलों भरा रहा। वर्ष 2017 में उत्तराखंड मेट्रो रेल कार्पोरेशन का गठन किया गया था। साथ ही मेट्रोपोलिटन क्षेत्र घोषित किया गया था। हालांकि, प्रारंभिक चरण की डीपीआर तैयार होने के बाद भी जब सरकार गंभीर नहीं दिखी तो जितेंद्र त्यागी ने प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया।हालांकि, सरकार के मनाने के बाद उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया। इसके बाद प्रयोगों के दौर शुरू हुआ और इस बीच के विकल्पों पर मंथन किया गया। इस दौरान तमाम मंत्रियों व अधिकारियों ने परियोजना के बारे में नई जानकारी एकत्रित करने के लिए लंदन व जर्मनी के दौरे भी कर डाले। फिर भी बात आगे नहीं बढ़ी। अब जाकर दोबारा से परियोजना को लेकर गंभीरता दिखाई गई और अब बात मंजिल की तरफ भी बढ़ती दिख रही है।

मेट्रो नियो की खास बातें

केंद्र सरकार ने मेट्रो नियो परियोजना ऐसे शहरों के लिए प्रस्तावित की है, जिनकी आबादी 20 लाख तक है। इसकी लागत परंपरागत मेट्रो से 40 प्रतिशत तक कम आती है। इसमें स्टेशन परिसर के लिए बड़ी जगह की भी जरूरत नहीं पड़ती। इसे सड़क के डिवाइडर के भाग पर एलिवेटेड कारीडोर पर चलाया जा सकता है।

मानस खंड मंदिर माला प्रोजेक्ट से संवरेगा नयना देवी मंदिर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवंबर , नैनीताल ही नहीं देश विदेश के लोगों की आस्था से जुड़ा नयना देवी मंदिर अब नए रूप में नजर आएगा। मंदिर का मानसखंड मंदिर माला प्रोजेक्ट के तहत सुंदरीकरण किया जाएगा। पर्यटन विभाग ने मंदिर की सुंदरीकरण को लेकर 4.50 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा है।

प्रोजेक्ट को शासन से मंजूरी और बजट मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिए जाएंगे।बता दें कि माता की 51 शक्तिपीठों में से एक माने जाने वाले नैना देवी मंदिर से हजारों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। माना जाता है कि इसी स्थल पर देवी सती की आंखें गिरी थी।

शहर में 1880 में घटित विनाशकारी भूस्खलन में मंदिर नष्ट हो गया था। जिसके बाद वर्तमान स्थल में मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य किया गया। जहां हर वर्ष हजारों देसी और विदेशी सैलानी दर्शनार्थ पहुंचते हैं।अब जिला प्रशासन ने मंदिर को नया रूप देने की पहल शुरू की है। जिला पर्यटन अधिकारी बिजेंद्र पांडेय ने बताया कि मंदिर को मानसखंड मंदिर माला प्रोजेक्ट में शामिल किया गया है। जिसके तहत मंदिर का सुंदरीकरण किया जाना प्रस्तावित है। मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 4.50 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है।

पर्यटन विभाग की ओर से प्रस्तावित प्रोजेक्ट के तहत मंदिर के मुख्य गेट को और भव्य रूप दिया जाएगा। बिजेंद्र पांडे ने बताया कि मंदिर गेट के समीप स्थित दुकानों का पर्वतीय शैली में सुंदरीकरण किया जाएगा। जिसमें एक समान फसाड पर्यटकों और श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा। इसके अलावा मंदिर के भीतर फ्लोरिंग भी की जाएगी।

जीर्णोद्धार के बाद धर्मशाला का होगा विस्तार

नयना देवी मंदिर में धार्मिक व विवाह आयोजन धर्मशाला में सम्पन्न किये जाते है। मगर धर्मशाला में बेहद कम स्थान होने के कारण भीड़ जुटने के दौरान परेशानी खड़ी होती है। नये प्रस्ताव में धर्मशाला का जीर्णोद्धार कर उसका विस्तार किया जाना है। साथ ही मंदिर के पीछे स्थित नाले को भी कवर कर परिसर का विस्तार किया जाएगा।

पार्क में मिलेगी सुविधाए, लगेगा फाउंटेन

मंदिर के पीछे की ओर स्थित पार्क बदहाल पड़ा है। जिसे जीर्णोद्धार कर श्रदालुओं और पर्यटकों के बैठने योग्य बनाया जाएगा। बिजेंद्र पांडेय ने बताया कि पार्क में फाउंटेन निर्माण भी प्रस्तावित है। जहां पर्यटकों के लिए अन्य सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा।

नयना देवी मंदिर का सुंदरीकरण प्रस्तावित

डीएम नैनीताल धीराज गर्ब्याल ने बताया कि मानसखंड मंदिर माला प्रोजेक्ट के तहत नयना देवी मंदिर का सुंदरीकरण प्रस्तावित है। शासन को 4.50 करोड़ के प्रस्ताव पर जल्द बजट मिलने की उम्मीद है। कार्य होने के बाद नैनीताल में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

हल्द्वानी में एक अरब से विकसित किया जाएगा भारत का पहला एस्ट्रो पार्क

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवंबर , अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े तमाम रहस्यों की जानकारी हल्द्वानी में मिल सकेगी। इसके लिए शहर में भारत का पहला एस्ट्रो पार्क विकसित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को राज्य सरकार की अनुमति मिल चुकी है। इस पार्क के बनने पर कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी को विश्व पटल पर नई पहचान भी मिल जाएगी।आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज (एरीज) मनोरा पीक भीमताल में स्थित है। यहां पर देश की सबसे बड़ी दूरबीन भी स्थित है। एरीज के ही अधीन अब हल्द्वानी में एस्ट्रो पार्क विकसित करने की तैयारी चल रही है। विज्ञान व प्रोद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की इस परियोजना की लागत 100 करोड़ रुपये है।अब तक ऐसा पार्क भारत में कहीं और विकसित नहीं हुआ है। इसके लिए जिला प्रशासन की मदद से भूमि चिन्हित करने काम चल रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही 15 एकड़ की भूमि चयनित कर ली जाएगी। इस परियोजना को साकार रूप देने के लिए एरीज के निदेशक प्रो. दीपांकर बनर्जी जुटे हुए हैं।

ये रहेगा एस्ट्रो पार्क का आकर्षण

एस्ट्रो पार्क में ब्रह्मांड में चलने वाली हर तरह की गतिविधियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसे देखने के लिए केवल हल्द्वानी व कुमाऊं ही नहीं, बल्कि देश व दुनिया के छात्र-छात्राएं, शोधार्थी और विज्ञानी भी पहुचेंगे। इस पार्क में खगोल विज्ञानियों की टीम भी रहेगी।

डाटा सेंटर भी होगा तैयार

एरीज में टेलीस्कोप है। वहां के डाटा को इसी पार्क में प्रोसेस कर रिजल्ट तैयार किया जाएगा। यह भी अध्ययनकर्ताओ और विज्ञानियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। एस्ट्रो पार्क के नोडल अधिकारी डा. अमित जोशी ने बताया कि हल्द्वानी में एस्ट्रो पार्क बनाने की तैयारी जोरशोर से चल रही है।इसके लिए जल्द भूमि भी चिन्हित कर ली जाएगी। यह भारत का पहला एस्ट्रो पार्क होगा, जहां ब्रह्मांड की रहस्यों की हर तरह की जानकारी मिलेगी।

राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि

उत्तराखंड राज्य विज्ञान व प्रोद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में एस्ट्रो पार्क हल्द्वानी में बन रहा है। यह हल्द्वानी ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। राज्य में विज्ञान व प्रोद्योगिकी से जुड़े पार्क की स्थापना होना अभूतपूर्व काम है।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

मुख्यमंत्री धामी ने अगस्त्यमुनि के कोठगी में नर्सिंग कॉलेज का शिलान्यास किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रप्रयाग/देहरादून 15 नवम्बर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 20 करोड़ 44 लाख 16 हजार की लागत से विकास खंड अगस्त्यमुनि के कोठगी में बनने वाले नर्सिंग कॉलेज का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान कार्यक्रम में पहुंचे छात्र-छात्राओं को मुख्यमंत्री ने बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमारे नौनिहाल जीवन में जिस भी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उस दिशा में पूरे मनोयोग से काम करें, परिश्रम करने वालों को सफलता अवश्य मिलती है।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज के बनने से क्षेत्र के बच्चों को नर्सिंग की पढ़ाई में लाभ मिलेगा एवं उन्हें अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नर्सिंग कॉलेज को निर्धारित समयावधि के अन्दर पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

उन्होंने कहा कि कर्णप्रयाग-ऋषिकेश रेल लाइन निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। आने वाले वर्षों में और अधिक संख्या में श्रद्धालु केदार धाम में आएंगे। श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधाएं मिले इसके लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है।

लोक सेवा आयोग के माध्यम से भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा रही है। 7 हजार पदों पर जल्द ही लोक सेवा आयोग द्वारा भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 2025 में जब उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाएगा, तब तक उत्तराखण्ड हर क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में हो, इस दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास खंड अगस्त्यमुनि के धारकोट में मिनी स्टेडियम बनाए जाने के लिए एकमुश्त धनराशि दी जायेगी।

स्वास्थ्य व शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि जनपद को एक बड़ी सौगात मिली है जिससे कि क्षेत्र के बच्चों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि जनपद को पहली सौगात 1200 करोड़ की लागत से केदारनाथ रोपवे बनाया जाएगा। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय में 23 करोड़ की लागत से 50 बेड का क्रिटिकल केयर सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में चिकित्सकों की कोई कमी नहीं होगी, तथा 3 हजार नई नर्सों की वर्षवार भर्ती की जाएगी। 800 से अधिक एएनएम की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कह कि 1500 एलटी तथा 1500 लेक्चर की तथा 1 हजार बेसिक अध्यापकों की भर्ती की जाएगी।इस अवसर पर विधायक केदारनाथ शैला रानी रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, जिला पंचायत सदस्य सविता भंडारी, भारतभूषण भट्ट, जिलाध्यक्ष भाजपा महावीर सिंह पंवार, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश उनियाल, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे आदि उपस्थित थे।

65 हजार से अधिक राजकीय कार्मिकों व पेंशनर्स का SGHS के तहत हुआ कैशलेस उपचार

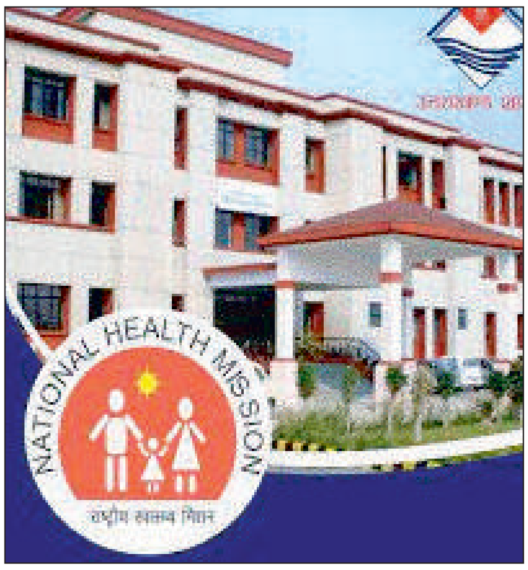

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवम्बर , प्रदेश में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा संचालित राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना में 65 हजार से अधिक लाभार्थियों ने मुफ्त उपचार सेवा का लाभ उठाया है। जिस पर राज्य सरकार द्वारा अब तक ₹143 करोड़ से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। प्रदेश में चल रही राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत अभी तक 4.45 लाख लाभार्थियों के कार्ड बन चुके हैं। कार्ड के जरिए आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों में सभी प्रकार के रोगों की चिकित्सकीय उपचार की सुविधा कैशलेस उपलब्ध कराई जाती है। जहां सामान्य आयुष्मान योजना में पांच लाख रूपए प्रतिवर्ष प्रति परिवार का प्रावधान है वहीं राजकीय कार्मिकों व पेंशनर्स एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपचार पर होने वाले खर्च की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।वहीं आयुष्मान योजना के अंतर्गत राजकीय अस्पताल से रैफर होने का प्रावधान रखा गया है। लेकिन SGHS के मामले में इस तरह की कोई बाध्यता नहीं है। लाभार्थी चाहें तो सीधे ही किसी भी अस्पताल में उपचार हेतु जा सकते हैं।राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत अस्पतालों में उपचार हेतु सिर्फ भर्ती मरीजों की बात करें तो 1 जनवरी 2021 से 31 अक्टूबर 2022 तक 35 हजार से अधिक लाभार्थी उपचार हेतु योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध विभिन्न सरकारी व निजी अस्पतालों में भर्ती हुए जिन्हें पूरी तरह से कैशलेस की व्यवस्था दी गई। कैशलेस उपचार की इस IPD व्यवस्था पर ₹ 88 करोड़ के करीब प्रदेश सरकार का खर्च हुआ है। वहीं OPD के अंतर्गत 30904 लाथार्थियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति के रूप में ₹55.56 करोड़ खर्च हुए।

1 जनवरी 2021 से 31 अक्टूबर 2022 तक राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना IPD की प्रगति विवरण

ब्याधि	लाभार्थी	खर्च करोड़ में
कार्डियो	815	6.90
सीटीवीएस	145	2.20
जनरल मेडिसिन	10345	23.15
डायलिसिस	7579	5.74
जनरल सर्जरी	1595	5.10
कोविड19	476	3.29
न्यूरो सर्जरी	170	.96
आंकोलॉजी	1517	4.82
ओबीएस एंड गायनी	480	0.82
आर्थोपैडिक्स	559	1.52
आई सर्जरी	3861	3.26

OPD के अंतर्गत चिकित्सा प्रतिपूर्ति

कुल लाभार्थी	खर्च करोड़ में
30907	55.56

ग्रामीणों को बेवजह न किया जाए परेशान, अधिकारियों को मंत्री गणेश जोशी का निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 15 नवंबर , काबिना मंत्री गणेश जोशी ने विधान सभा क्षेत्र मसूरी के क्यार कुल्ली भट्टा के ग्रामीणों की आवासीय समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी एवं एमडीडीए के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को मंत्री जोशी के समक्ष रखी। जिसमे ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि एमडीडीए के अधिकारियों द्वारा समय - समय पर बिना किसी कारण के ग्रामीणों को नोटिस दिए जाने और अनुचित करवाई की बात कही जाती है।

जिससे ग्रामीणों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बैठक में मंत्री गणेश जोशी ने मामले में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों एवं स्थानीय निवासियों को बेवजह परेशान न किया जाए। मंत्री जोशी ने जिलाधिकारी को परमानेंट समाधान करने के निर्देश दिए। जिससे भविष्य में ग्रामीणों को किसी भी तरह की समस्या न हो। मंत्री जोशी ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि देहरादून से मसूरी तक के सड़क मार्ग के आस पास हो रहे नए अवैध निर्माणों की जांच कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ हो ग्रामीणों को आवासीय नक्शा पास कराने से सम्बन्धित सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी/एमडीडीए उपाध्यक्ष सोनिका, एसडीएम मसूरी शैलेंद्र नेगी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर, पार्षद सुंदर सिंह कोठाल सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनूठी प्रेरणादायक कहानी

जब डीएम बागेश्वर अनुराधा पाल की माता मिथलेश और पिता सतीश पाल का सपना सच हुआ

- डीएम अनुराधा जब मां के गर्भ में थी तो माता मिथलेश को सांप ने काटा, मां बेटी दोनों बच गई
- मां मिथलेश,बेटी की पढ़ाई के लिए पूरे समाज और परिवार से लड़ी,बेटी और अपनी रक्षा के लिए झोले में रखती थी घांस काटने वाले दरांती
- पिता सतीश पाल 20-20 किलोमीटर साइकिल चलाकर दूध इकट्ठा करके अपना जीवन यापन करते थे और बेटी अनुराधा पूरा हिसाब किताब रखती थी।

मो० सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 नवम्बर। आज हम आपको एक ऐसी ही बेटी के बारे में बताएंगे जिन्होंने गरीब पिता का सपना पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत से पढ़ाई की और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा पास की। माता-पिता के आर्थिक हालात देखकर उन्होंने कभी भी फीस के पैसे नहीं मांगे। इस आईएएस अधिकारी का नाम अनुराधा पाल है। मुश्किल हालातों और आर्थिक तंगी के बीच उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की पढ़ाई की और सफलता हासिल की। कमाल की बात ये है कि उन्होंने पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास की और दूसरे प्रयास में आईएएस अधिकारी बन गईं। अनुराधा पाल की इस कामयाबी के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके माता पिता का है। जिन्होंने हर परेशानी के बावजूद बेटी को पढ़ाया। आइए अनुराधा पाल के माता-पिता से जानते हैं कि अनुराधा को इस मुकाम तक पहुँचाने और बुनियादी सुविधाओं के ना होने के बाद भी अनुराधा ने आईएएस अधिकारी बनने का सफर कैसे तय किया।

हरिद्वार के एक छोटे से गांव की रहने वाली अनुराधा एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं। जिस गांव से में परिवार रहता था वहां बुनियादी सुविधाओं की काफी कमी थी। पिता दूध का काम करते थे। दूध का काम करके जितनी आमदनी होती थी उसे से बच्चों की पढाई तो दूर बल्कि परिवार का चलना भी मुश्किल था। अनुराधा की पाँचवी तक की पढ़ाई गाँव के सरकारी विद्यालय में हुई। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, लिहाज़ा माता पिता के सामने अनुराधा की आगे की पढ़ाई कराने का बड़ा संकट खड़ा था। लेकिन अनुराधा की मां मिथिलेश और पिता सतीश पाल ने मन में ठान लिया था कि चाहे जो जाये वो अनुराधा को आगे पढ़ाएंगे। अनुराधा पढाई में अच्छी थी लिहाज़ा नवोदय विद्यालय में दाखिला मिल गया। अनुराधा की पाँचवी कक्षा के आगे की बारहवीं कक्षा की पढ़ाई नवोदय विद्यालय में मुफ़्त हुयी।अनुराधा पाल ने जब नवोदय विद्यालय से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की तो रिश्तेदार हों या फिर गाँव के अन्य लोग सभी अनुराधा के माता पिता को उनकी माली हालत ठीक ना होने के कारण पढ़ाई छूटाने की बात कहते थे। लेकिन माता पिता ने भी ठान लिया था कि चाहे जो हो जाए वो अनुराधा को ज़रूर पढ़ाएँगे। अनुराधा की माँ मिथिलेश ने बच्चों की अच्छी शिक्षा दीक्षा के लिए सिडकुल में बारह साल नौकरी की। जहाँ उन्हें महंताने के तौर पर सिर्फ़ 1800 रुपये मिलते थे। इन पैसों को मिथिलेश पढ़ाई के लिये जोड़ती थी। मिथिलेश उस वक्त के बारे में सोचते हुए कहती हैं कि "मैं हमेशा सोचती थी कि अगर मैं नहीं पढ़ सकी तो क्या मगर मैं बच्चों को ज़रूर पढ़ाऊँगी।"

इसके अलावा अनुराधा की मां मिथिलेश ने पति से अलग गाय भैंस का दूध बेचकर लगभग पचास हज़ार रुपय जमा किए। उस जमा रक़म को लेकर मिथिलेश बेटी अनुराधा को इंजीनियरिंग की काउन्सलिंग कराने पंतनगर यूनिवर्सिटी पहुँची। यूनिवर्सिटी में मिथिलेश ने दो साल की फ़ीस जमा कराई। अनुराधा को इंजिनीयरिंग में दाख़िला मिला जहाँ अनुराधा ने ख़ूब दिल लगाकर पढ़ाई की। ये दो साल बीते, फिर फ़ीस जमा कराने का नया संकट सामने खड़ा था। अनुराधा की माता मिथिलेश को किसी से राज्यपाल द्वारा दी जाने वाली स्कलारशिप के बारे में पता चला। जिसके बाद मिथिलेश बेटी अनुराधा के साथ पहली बार देहरादून आए। देहरादून शहर आकर माँ बेटी ने राज्यपाल से मुलाक़ात की। होनहार अनुराधा से मिलकर उस समय राज्यपाल ने आगे की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप को मंजूरी दे दी। वो वाक़या बताते हुए अनुराधा की माता मिथिलेश कहती हैं कि जब राज्यपाल ने अनुराधा से पूछा कि "इंजीनियर बनकर क्या करोगी" तो अनुराधा ने जवाब दिया " मैं घर में सबसे बड़ी हूँ, मेरी मम्मी मुझे पढ़ाने के लिये बहुत मेहनत करती हैं। मेरी मम्मी के पास मुझे पढ़ाने का बजट नहीं है। मैं इंजीनियर बनकर अपने दोनों छोटे भाईयों को पढ़ाऊँगी।"

उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई जीबी पंत विश्वविद्यालय से पूरी की. जिस दौरान वो स्नातक में फाइनल ईयर में थी तभी उनका सिलेक्शन एक अच्छी खासी कंपनी में हो गया था. हालांकि अनुराधा ने अपने करियर कि शुरुआत कॉलेज ऑफ टेक्नॉलाजी रुड़की से प्रोफेसर के पद से की थी. यहां उन्होंने 3 साल नौकरी की। आर्थिक तंगी के कारण ही उन्होंने अपने सपनों की तरफ ना जाकर जरूरतों पर ध्यान दिया। यही वजह थी कि उन्होंने ग्रेजुएशन के बाद नौकरी ज्वाइन कर ली।

अनुराधा ने बचपन से ही अपने माता पिता को अपनी पढ़ाई के लिए जूझते देखा था। वो जानती थी कि अगर उसके माता पिता को पढ़ाई के बारे में कुछ पता है तो वो है सबसे बड़ी पढ़ाई आई.ए.एस की पढ़ाई। लेकिन उसको अब भी लगता था कि ये उसकी मंज़िल नहीं है। अब उसे हर वक्त अपने माता पिता का सपना या यूँ कहें उनके ये शब्द "सबसे बड़ी पढ़ाई" याद आते। हौंसलों से भरपूर अनुराधा अब ठान चुकी थी। नौकरी लगने के कुछ सालों बाद उन्होंने फिर से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने का विचार किया। अनुराधा ने एक दिन माँ मिथिलेश से कहा कि वो उनका "सबसे बड़ी पढ़ाई" यानि आइ.ए.एस बनने का सपना पूरा करना चाहती है। ये जानकर माँ बेहद ख़ुश हुयी और अपनी रज़ामंदी दे दी। इसके बाद

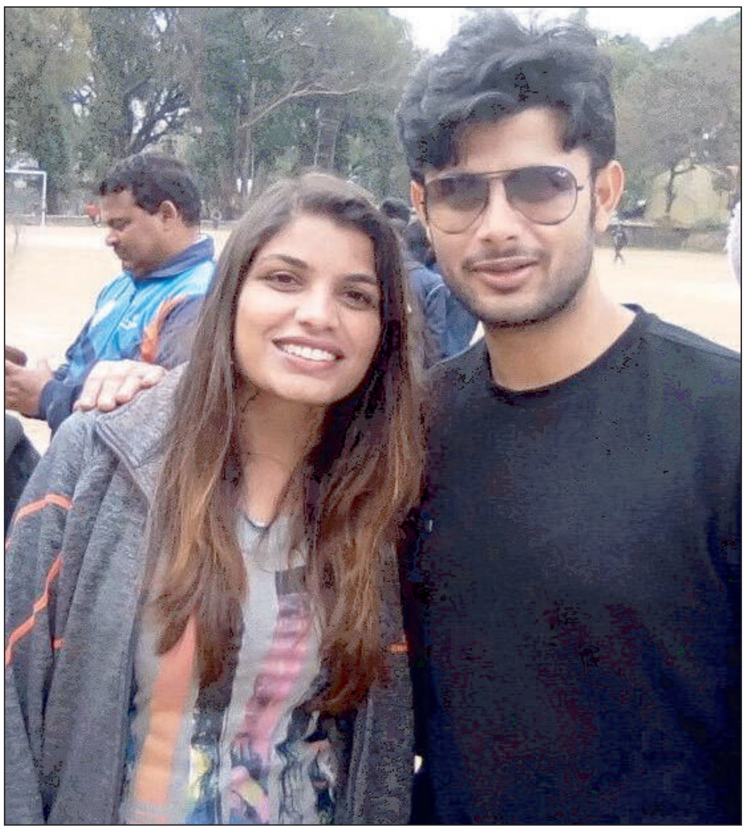

अनूठी प्रेरणादायक कहानी

पिता ने पहली बार अगर किसी डीएम को देखा तो वो थे सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे, डीएम हरिद्वार

- दादी और नानी की चहेती है डीएम अनुराधा
- पंतनगर यूनिवर्सिटी से पढ़ी है,अब छोटा भाई भी वही से तैयारी कर रहा है।
- खेलों में लडको को खूब पछाड़ा डीएम अनुराधा ने
- आईएएस बनने में पति ने की खूब मदद
- माता पिता ने लिया है वादा कि कभी भ्रष्टाचारियों का साथ नही देगी और जरूरतमंदों की मदद करेगी।
- हिंदी मीडियम से आईएएस बनकर हरिद्वार का नाम रोशन किया

अनुराधा तैयारी के लिए दिल्ली पहुँची और ख़ूब लगन से पढ़ाई की। दिल्ली में उन्होंने कोचिंग पढ़ाना शुरू कर दिया। वो अपने पिता को पैसों को लेकर परेशान नहीं करना चाहती थीं यही से उनकी यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू हो गई।

साल 2012 में अनुराधा ने UPSC की परीक्षा दी और पढ़ाई में तेज होने के कारण वो पहली ही बार में सफल हो गईं। इस परीक्षा में अनुराधा ने 451वीं रैंक हासिल की जिसके बाद IRS पद मिल गया. इस पद पर उन्होंने करीब 2 सालों तक नौकरी की लेकिन अभी भी उन्हें आईएएस अधिकारी बनने का लक्ष्य अधूरा रह रहा था। इसलिए उन्होंने नौकरी के साथ ही यूपीएससी की तैयारी फिर से शुरू कर दी। दूसरी बार साल 2015 की यूपीएससी परीक्षा में उन्हें सफलता मिल गई. इस परीक्षा में उन्हें पूरे देश में 62वीं रैंक हासिल हुई. रैंक अच्छी आने के कारण उन्हें आईएएस अधिकारी बनने का मौका मिला. उनकी इस सफलता से उन्होंने पूरे परिवार का नाम रोशन कर दिया।

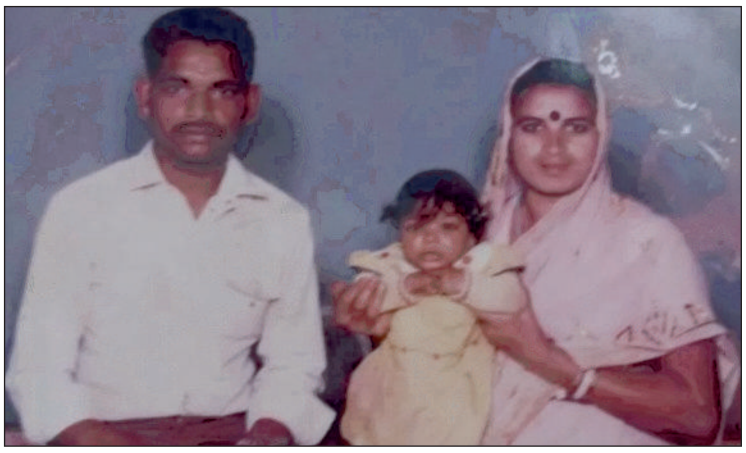

अनुराधा पाल के माता पिता आज भी पहले की ही तरह साधारण जीवन व्यतीत करते हैं। पिता सतीश पाल दूध की डेरी चलाते हैं। माँ मिथिलेश घर में पहले की ही तरह सब काम काज करती हैं। अनुराधा के माता पिता दोनों बेटी की कामयाबी पर बेहद ख़ुशी ज़ाहिर करते हैं। अनुराधा के पिता सतीश पाल कहते हैं कि अनुराधा बचपन से ही भाग्यशाली थी। अनुराधा के पिता सतीश पाल कहते हैं कि जब अनुराधा आठ महीने के गर्भ में थी तब माँ को सांप ने काट लिया था। अपने भाग्य के कारण वो भी बची और माँ को भी बचाया। अनुराधा के पिता सतीश पाल का कहना है कि उनको ये भी नहीं मालूम था कि कलेक्टर क्या होता है। एक क़िस्सा बताते हुए सतीश पाल ने बताया कि सबसे पहली बार उन्होंने कलेक्टर के नाम पर अगर किसी को देखा था तो वो आई. ए. एस सचिन कुर्वे को देखा था। अनुराधा के पिता सतीश पाल कहते हैं हैं कि एक वक्त था कि जब उनके लिए कलेक्टर शब्द मात्र ही बहुत बड़ा था। मगर आज बहुत सुखद अनुभव होता है जब कोई कहता है कि “वो देखो वो कलेक्टर का पिता है।”

अनुराधा की माँ मिथिलेश कहती हैं कि एक वक्त था कि जब लोग कहते थे कि क्या करेगी इतना पढ़ाकर “क्या मजिस्ट्रेट बनाएगी?” और जब अनुराधा मजिस्ट्रेट बनी तो मैंने लोगों को कहा लो “बना दिया अनुराधा को मजिस्ट्रेट।” कलेक्टर बनते ही जब अनुराधा अपनी माँ मिथिलेश से मिलने पहुँची तो माँ को गाड़ी में बैठाया और बोली “माँ यही बनाना चाहती थी ना तुम” “ मुझको यही बनाना सपना था ना आपका।” अनुराधा पाल के पिता सतीश पाल और माँ मिथिलेश अपनी आई.ए.एस बेटी अनुराधा पर विश्वास जताते हुए कहते हैं कि हमें पूर्ण विश्वास है कि अनुराधा हमेशा बेगुनाहों और कमज़ोरों का साथ देगी। वो कहते हैं कि उन्होंने अपनी बेटी को नसीहत दी है कि कभी ग़लत का साथ मत देना, अपने निर्णय पर अटल रहना।

पढ़ाई को लेकर संदेश देते हुए अनुराधा पाल के माता पिता का कहना है कि अगर जज़्बा और लगन हो तो किसी भी परिस्थिति में पढ़ाई की जा सकती है। अनुराधा पाल फिलहाल पिथौरागढ़ में डीएम के पद पर कार्यरत हैं। उनकी सफलता देश की तमाम ग्रामीण क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाली लड़कियों के लिए प्रेरणा है। वो अपनी सफलता के लिए सबसे ज्यादा मां का योगदान मानती हैं।

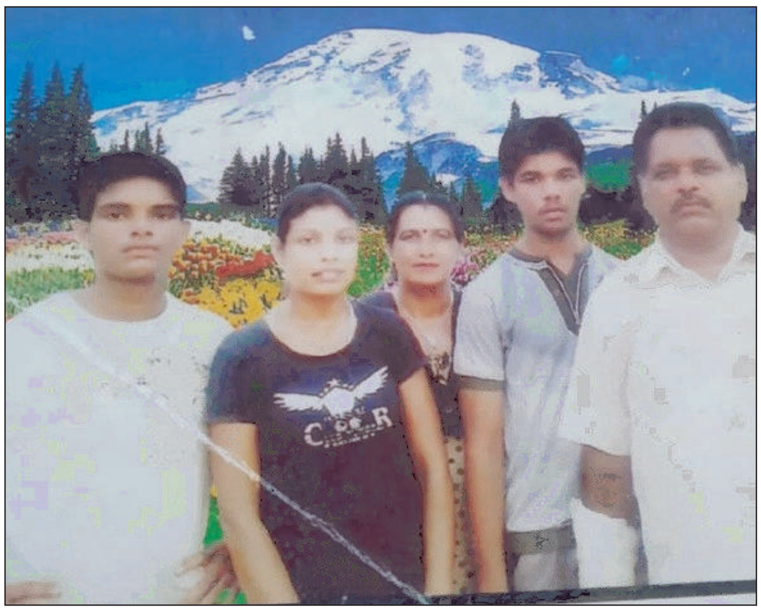

पर्यटक कर सकेंगे वन्यजीवों का दीदार लेकिन ऑनलाइन टिकट अभी नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवंबर , राजाजी टाइगर रिजर्व आज (मंगलवार) से एक बार फिर पर्यटकों के लिए खोला जा रहा है। राजाजी टाइगर रिजर्व में पर्यटक सफारी करने के साथ ही वन्यजीवों का दीदार कर सकें, इसके लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से सारी तैयारियां कर ली गई हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बड़ोला ने बताया कि पांच रेंजों चीला, मोतीचूर, आशारोड़ी, मोहंड और रानीपुर में पर्यटक सफारी करने के साथ वन्यजीवों का दीदार कर सकते हैं। उन्होंने रविवार को इन सभी रेंजों के वन क्षेत्राधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

पर्यटकों को अभी नहीं मिलेगा ऑनलाइन टिकट

राजाजी टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए कल से बेशक खोला जा रहा है लेकिन उन्हें सफारी करने के लिए टिकट

काउंटरों से ही लेना होगा। अभी राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से ऑनलाइन टिकट की व्यवस्था नहीं की गई है। टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बड़ोला का कहना है कि पर्यटकों को जल्द से जल्द ऑनलाइन टिकट मिल सके इसके लिए प्रयास जारी हैं। बता दें कि जिम कार्बेट टाइगर रिजर्व में ऑनलाइन टिकट की व्यवस्था है और वहां ज्यादातर टिकटों की बुकिंग हो चुकी है।

सफारी के लिए पर्यटकों को देने होंगे 300 रुपये अतिरिक्त

राजाजी टाइगर रिजर्व में पर्यटकों को सफारी करने के लिए इस बार 22 सौ रुपये की जगह 25 सौ रुपये देने होंगे। कारण कि राजाजी टाइगर रिजर्व सफारी वेलफेयर सोसाइटी ने सफारी किराये में 300 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है।

सफारी वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव शशी राणाकोटी का कहना है कि सफारी किराये में पिछले कई सालों से बढ़ोतरी नहीं की गई है। जबकि टाइगर रिजर्व प्रशासन पर्यटकों से टिकटों के रूप में वसूली जाने वाली धनराशि में बढ़ोतरी कर चुका है।

महासचिव राणाकोटी ने कहा कि पेट्रोल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है, ऐसे में किराया बढ़ाना भी मजबूरी है। उधर, राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक का कहना है कि इस संबंध में सफारी वेलफेयर सोसाइटी से वार्ता की जाएगी।

खुश रहना है तो छोड़ दीजिये ये आदत

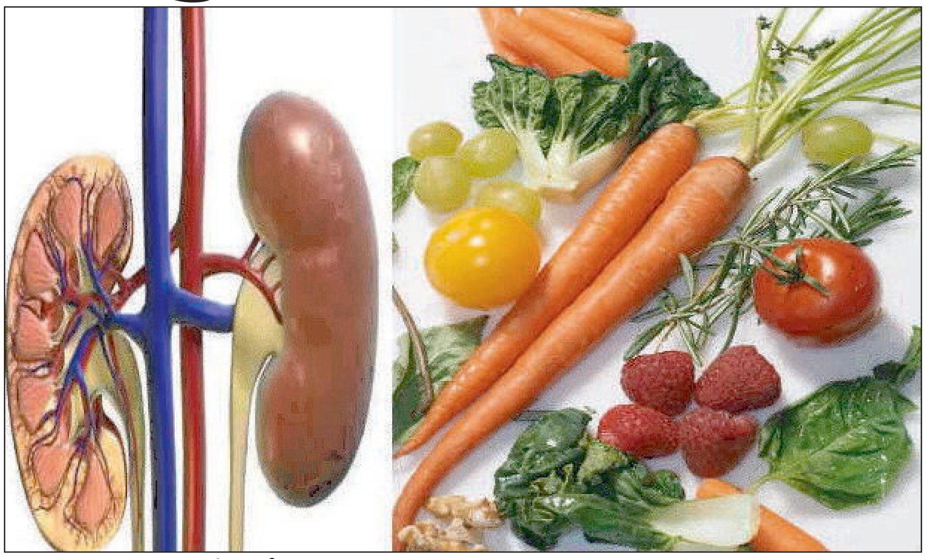

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 नवम्बर , ज़िंदगी में आपको खुश स्वस्थ और तंदरुस्त रहना है तो हमारी इस खबर को पढ़ लीजिये। आपके शरीर का कोई भी अंग हो अगर वो अनफिट हो जाये तो लाइफ में तकलीफ बढ़ जाती है। ऐसे में अगर किडनी जैसा शरीर का महत्वपूर्ण अंग गड़बड़ हो जाये तो सोचिये क्या हाल होगा ? गुर्दे शरीर में दूषित या हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने का काम करते हैं। इसे स्वस्थ रखना बेहद जरूरी है। तो जानिए आपको क्या करना है और क्या नहीं करना है। डायबिटीज के मरीजों को किडनी की परेशानी होने पर पेशाब में झाग आने लगते हैं जो प्रोटीन है।योग के अलावा किडनी को स्वस्थ्य बनाए रखने के लिए जीवनशैली में कुछ बदलाव भी जरूरी हैं, जिनका इस्तेमाल कर आप विशेष लाभ पा सकते हैं। घर का बना खाना खाएं और बाहर का खाना खाने से बचें। अपने आहार में अधिक से अधिक फल और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा कुछ ऐसी आदतें हैं जिनके कारण हमारी किडनी खराब हो सकती है, आइए जानते हैं-

नमक और चीनी का अत्यधिक सेवन नमक में उच्च आहार सोडियम होता है। इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। यह किडनी को प्रभावित कर सकता है। इसके लिए बिना नमक के हर्ब्स या मसालों का इस्तेमाल करके खाने को स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। इससे ज्यादा नमक खाने की आदत पर भी अंकुश लग सकता है।प्रोसेस्ड फूड खाने से बचें प्रोसेस्ड फूड में सोडियम और फॉस्फोरस की मात्रा अधिक होती है। किडनी से संबंधित बीमारियों वाले लोगों के लिए फॉस्फोरस युक्त खाद्य पदार्थ खाना हानिकारक होता है। शोध से पता चला है कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में फास्फोरस की अधिकता के कारण बिना गुर्दे की बीमारी वाले लोग गुर्दे और हड्डियों को व्यापक नुकसान पहुंचा सकते हैं।

पर्याप्त पानी न पीना शरीर के लिए बहुत सारा पानी पीना फायदेमंद होता है। इसलिए, गुर्दे के माध्यम से शरीर से विषाक्त और सोडियम युक्त पदार्थों को निकालना आसान हो जाता है। साथ ही खूब पानी पीने से किडनी स्टोन का खतरा भी कम हो जाता है। इसके लिए जरूरी है कि पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखा जाए।अपर्याप्त नींद रात की अच्छी नींद सेहत के लिए फायदेमंद होती है। इससे किडनी की सेहत भी अच्छी रहती है। किडनी का कार्य सोने और जागने के समय से निर्धारित होता है। 24 घंटे में किडनी का समग्र कार्य कैसा होगा यह नींद से तय होता है।

ज्यादा मांस खाने से बचें मांस खाने से खून में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। नतीजतन, यह गुर्दे के लिए हानिकारक हो जाता है। इससे एसिडोसिस की समस्या बढ़ जाती है। बेशक, गुर्दे शरीर से अतिरिक्त एसिड को बाहर निकालने में असमर्थ हैं। शरीर के समग्र कामकाज के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। ये प्रोटीन फलों और सब्जियों से प्राप्त होते हैं। इसलिए किडनी सुचारू रूप से काम करती है।ज्यादा चीनी खाने से बचें ज्यादा चीनी खाने से वजन बढ़ता है। नतीजतन, यह मधुमेह रोगियों और उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए खतरनाक है। मिठाई और ठंडे पेय सहित मीठे खाद्य पदार्थ किडनी विकारों के दो प्रमुख कारण हैं। साथ ही सफेद ब्रेड खाने से भी परहेज करें। क्योंकि इसमें शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है।सिगरेट से बचें सिगरेट से फेफड़ों को व्यापक नुकसान होता है। इसका ह्रदय और गुर्दों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। सिगरेट पीने वालों के पेशाब में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। यह गुर्दे के कार्य में रुकावट पैदा करता है।शराब से परहेज करें ज्यादा शराब का सेवन हानिकारक होता है। इससे किडनी के विकार और भी बदतर हो जाते हैं। शराब के साथ-साथ सिगरेट पीने वालों को किडनी की कई खतरनाक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

स्थिर बैठने से बचें जो लोग लंबे समय तक एक जगह बैठकर काम करते हैं उन्हें गुर्दे की बीमारी का सामना करना पड़ता है। एक जगह बैठकर काम करने या शरीर को हिलाने-डुलाने से किडनी पर इसका क्या और क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर शोधकर्ता शोध कर रहे हैं।Pain Killers यानी Pain Killers से बीमारी जल्दी ठीक होती है; लेकिन इसका अधिक सेवन किडनी के लिए खतरनाक है। गुर्दे की बीमारी वाले लोगों को दर्द निवारक दवा लेने से बचना चाहिए। एनएसएआईडी के नियमित सेवन को सीमित करें और उन्हें सीमित मात्रा में ही लें, जैसा कि आपके डॉक्टर ने सलाह दी है।

ये 5 पुरानी डिवाइसेज घर पर रखना है बेहद खतरनाक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 नवंबर , एक ऐसी खबर आपको बताते हैं जो आपके घर और ज़िंदगी दोनों के लिए बेहद ज़रूरी है। अक्सर हम कुछ चीज़ों पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन वो हमारे लिए खतरा बन जाती है। ऐसे में क्या आप मानेंगे कि घर में पड़ी पुरानी डिवाइसेज आपके लिए खतरा साबित हो सकती हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि पुरानी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज को समय रहते डिस्पोज कर देना चाहिए।

क्या आप जानते हैं कि आपके घर में कुछ ऐसी डिवाइसेज होती हैं जिन्हें समय रहते आपको घर से निकाल देना चाहिए? नहीं पता है न, कंपनियां भले ही न बताएं लेकिन इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज की भी एक्सपायरी डेट होती है। ऐसे में घर में पड़ी पुरानी डिवाइसेज आपके लिए खतरा साबित हो सकती हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि पुरानी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज को समय रहते डिस्पोज कर देना चाहिए। हम आपको

यहां घर में बेकार पड़ी ऐसी ही कुछ डिवाइसेज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें आपको तुरंत फेंक देना चाहिए।मोबाइल्स में लिथियम-आयन बैटरी होती हैं जो गुजरते समय के साथ खतरनाक हो जाती हैं। ऐसे कई मामले देखे गए हैं जिसमें फोन्स की बैटरी फूल गई हैं या उनमें आग लग गई है। इससे लोगों को काफी नुकसान भी झेलना पड़ा है। अगर आपके पास भी ऐसा कोई पुराना फोन है तो उसे तुरंत ही फेंक दें।कई बार हम अपने घर में पुराने से पुराना राउटर रखे रहते हैं। ये राउटर्स साइबर क्रिमिनल्स के लिए एक ओपन इन्विटेशन होता है। वे इसके जरिए आपकी वित्तीय जानकारी चुरा सकते हैं। ये डिवाइसेज हैकिंग को लेकर कोई भी प्रोटेक्शन उपलब्ध नहीं कराती हैं। ऐसे में जिन राउटर्स को आप इस्तेमाल न करते हों उन्हें फेंक देना ही उचित है।

अगर आपके घर में पुराने पावर केबल्स पड़े हैं तो वो अपनी इंसुलेशन प्रॉपर्टीज को खो सकते हैं। इससे शॉक, स्पार्क और आग लगने का खतरा रहता है। इस तरह की वायर्स को डिस्पोज कर देने में ही भलाई है।टूटे हुए वॉल सॉकेट खतरनाक साबित हो सकते हैं। खासतौर से आपके घर के बच्चों के लिए। अगर आपके घर में भी टूटा हुआ वॉल सॉकेट है तो उसे तुरंत ही रिप्लेस कर दें।इयरफोन और स्पीकर में बहुत ज्यादा खतरनाक पदार्थ होते हैं। इसमें मैग्नेट, कॉपर कॉइल, प्लास्टिक और बैटरी शामिल होते हैं। ये पदार्थ पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अगर इनका सही तरीके से डिस्पोज न किया जाए तो बैटरी में रिसाव खतरनाक साबित हो सकता है।

संपादकीय

बढ़ती अर्थव्यवस्था

वैश्विक आर्थिकी और भू-राजनीतिक हलचलों के बीच यह उत्साहजनक बात है कि भारतीय अर्थव्यवस्था आगामी एक-डेढ़ दशकों में तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जायेगी. यह आकलन अनेक वाणिज्यिक संस्थाएं प्रस्तुत कर चुकी हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा है कि देश ने बीते तीन दशकों में जो आर्थिक उपलब्धियां हासिल की है, उतना हम अगले कुछ वर्षों में प्राप्त कर सकेंगे. उन्होंने चुनौतियों का भी उल्लेख किया है कि दो-तीन साल से दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही है, तो दूसरी ओर युद्ध की स्थितियां भी हैं. इनका असर निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है. पर, जैसा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेखांकित किया है, इन परिस्थितियों के बावजूद भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ रहे देशों में एक है. बीते कुछ वर्षों में जो बड़े आर्थिक सुधार हुए हैं तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण हिस्सेदार बनाने के लिए जो प्रयास हो रहे हैं, उनके अच्छे परिणाम सामने आने लगे हैं. हालांकि इस साल देश के कई हिस्सों में मानसून अनिश्चित रहा, पर दक्षिण-पश्चिमी मानसून सामान्य से बेहतर रहने से कृषि को सहारा मिला है. सरकार ने सार्वजनिक खर्च को लगातार बढ़ाया है. हमारे देश का निजी क्षेत्र और बैंक सुदृढ़ हैं. कोरोना महामारी पर नियंत्रण के साथ ही उपभोक्ताओं और कारोबारियों में उत्साह बढ़ा है. आर्थिक सुधारों तथा नीतिगत पहलों से जहां घरेलू उद्योगों एवं उद्यमों में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं विदेशी निवेश को आकर्षित करने में भी सफलता मिल रही है. हाल में जारी सितंबर के आंकड़े बताते हैं कि औद्योगिक उत्पादन अगस्त के मुकाबले 3.1 प्रतिशत बढ़ा है. स्वतंत्र विदेश और वाणिज्य नीति के कारण भारत में दुनिया का भरोसा भी लगातार बढ़ रहा है. वैश्विक निवेश बैंक मॉर्गन स्टैनली ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा. यदि पिछले पांच साल की औसत वृद्धि दर के हिसाब से देखें, तो भारत की विकास दर दुनिया में सबसे अधिक है. यह औसत वृद्धि दर 5.5 प्रतिशत रही है. इस दशक के अंत तक भारतीय शेयर बाजार भी शीर्ष के तीन बाजारों में शामिल हो सकता है. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जतायी है कि अगले 25 वर्षों में भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का आह्वान किया है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के सौवें वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है.

एसएसपी पौड़ी श्वेता चौबे की तेज़ी का असर, आध्यात्म खोजने निकले युवक को किया परिजन के हवाले

परेशान होकर युवक विनय कुमार निकला था अपने घर पंजाब से

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 15 नवंबर , आध्यात्म की खोज में भटके युवक को एसएसपी श्वेता चौबे की शार्प पौड़ी पुलिस ने जब सकुशल उसके परिजनों को सौंपा तो सभी के चहरे पर संतोष के भाव झलक रहे थे। आपको बता दें कि मामला थाना लक्ष्मणझूला से जुड़ा है जहाँ उन्हें सूचना प्राप्त हुई कि नीलकंठ बैराज बाईपास रोड पर भूतनाथ मंदिर से आगे एक कार पंजाब नंबर PB 08 CD 5255 संदिग्ध अवस्था में बीच रोड पर खड़ी है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय फोर्स के मौके पर पहुंचे तो देखा कि मौके पर एक कार भूतनाथ सड़क पर लगभग बीच में अनलॉक खड़ी है और हैंडब्रेक लगा है। कार के पास जमीन पर कुछ कपड़े बेल्ट एक बैग मिला, जिसके अंदर पासपोर्ट/हाई स्कूल का एक प्रमाण पत्र मिला, जिस पर विनय कुमार पिता का नाम विक्रम कुमार निवासी जालंधर कैंट पंजाब का नाम लिखा था।

प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला द्वारा मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गयी। जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे ने गुमशुदा को सकुशल बरामद करने के लिए प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला के नेतृत्व में टीमें गठित करने हेतु निर्देशित किया गया है। गठित टीमों द्वारा मामले में किसी अनहोनी के दृष्टिगत त्वरित कार्यवाही कर परिवहन विभाग से सम्पर्क कर वाहन स्वामी के सम्बन्ध में जानकारी कर कागजातों में अंकित मोबाइल नंबर पर कॉल की गई तो नंबर नॉट रीचेबल आ रहा था। पुलिस टीम द्वारा विनय कुमार के पिता से सम्पर्क तो उनके द्वारा बताया गया कि 11नवंबर को उनका बेटा जालंधर से अमृतसर घूमने गया था। जो अभी तक वापस नही आया और बताया कि उनका बेटा धार्मिक प्रवृत्ति का है जो एक सप्ताह से हम लोगों से भी कम बात कर रहा था एवं परेशान चल रहा था।

इसी प्रकार इसके दोस्तों ने बताया कि वह एक महीने से हमसे बात नही कर रहा था और अलग-थलग रह रहा था। जनपद की लक्ष्मणझूला पुलिस, जल पुलिस, फायर सर्विस टीम एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा उपरोक्त विनय कुमार को लक्ष्मणझूला के जंगलों, नदी के किनारे, घाटों एवं पूरे क्षेत्र में रात दिन तलाश के दौरान उस युवक को परमार्थ निकेतन मन्दिर के पास घूमते हुये बरामद किया गया। गुमशुदा विनय कुमार पुलिस टीम द्वारा सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

पूछने पर बरामदशुदा विनय कुमार द्वारा बताया गया कि मेरा मन अध्यात्म की ओर हो रहा है तथा वह अकेला रहना चाहता है इसी को लेकर वह थोड़ा डिप्रेशन में था, अकेला

रहना चाहता था इसीलिए वह अपने परिजनों को बिना बताए तथा मोबाइल स्विच ऑफ कर लक्ष्मण झूला में घूमता रहा गुमशुदा के परिजनों द्वारा जनपद पौड़ी, लक्ष्मणझूला पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की गई तथा पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आप भी अगर पौड़ी गढ़वाल पुलिस से संपर्क करना चाहते हैं तो ये हैं उनके सोशल मीडिया साइट्सः-

https://www.facebook.com/pauripolice
https://twitter.com/ssppauri
https://www.instagram.com/pauri_garhwal_police

आपके फोन का स्क्रीन लॉक भी है अनसेफ, पढ़िए खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 नवंबर , फोन की लॉक स्क्रीन सिक्योरिटी के लिए होती है, लेकिन अगर आपको ये पता चले कि स्क्रीन लॉक को भी आसानी से कोई भी तोड़ कर आपके फोन का एक्सेस कर सकता है तो कैसे होगा आपका रिएक्शन? जी हां ऐसे ही एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है. साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर डेविड शुट्ज़ ने अपने पूरी तरह से पैच किए गए Google Pixel 6 और Pixel 5 स्मार्टफोन पर लॉक स्क्रीन को बायपास करने का एक तरीका खोज लिया है, जिससे कोई भी व्यक्ति इसे अनलॉक करने के लिए डिवाइस तक पहुंत प्राप्त कर सकता है.

आपको जानकर हैरानी होगी कि एंड्रॉयड फोन पर लॉक स्क्रीन को बायपास करना यानी कि तोड़ने और खामी का फायदा उठाना एक आसान सा 5 स्टेप प्रोसेस है जिसमें कुछ मिनट से ज़्यादा समय नहीं लगता है.

शुट्ज़ का कहना है कि उन्हें इस खामी का तब मालूम हुआ जब उनके Pixel 6 की बैटरी खत्म होने पर उन्होंने तीन बार गलत पिन डाला और फिर PUK (पर्सनल अनब्लॉकिंग की) कोड का इस्तेमाल करके लॉक किए गए सिम कार्ड को रिकवर कर लिया ,आगे बताया गया है कि सिम को अनलॉक करने और एक नया पिन चुनने के बाद, डिवाइस ने लॉक स्क्रीन पासवर्ड नहीं मांगा बल्कि सिर्फ एक फिंगरप्रिंट स्कैन मांगने लगा.शुट्ज़ सिक्योरिटी के लिए एंड्रॉयड डिवाइस हमेशा रीबूट पर लॉक स्क्रीन पासवर्ड या पैटर्न रिक्वेस्ट करता है, इसलिए सीधे फिंगरप्रिंट अनलॉक पर जाना सामान्य नहीं था.

रिसर्चर ने एक्सपेरिमेंट जारी रखा, और जब उन्होंने डिवाइस को रिबूट किए बिना और अनलॉक कंडीशन से शुरू करने की कोशिश की, तो उन्हें लगा कि फिंगरप्रिंट प्रॉम्प्ट को बायपास करना भी संभव है, और इससे सीधे होम स्क्रीन पर जाया जा सकता है... ऐसे में आप अपने स्मार्ट फ़ोन को लेकर सावधान रहे क्योंकि साइबर की दुनिया में आजकल सेफ कुछ भी नहीं है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

बाल दिवस पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने बच्चों का बढ़ाया हौसला, किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवंबर। आज बाल दिवस के सुअवसर पर परेड ग्राउंड में बालक एवं बालिका निकेतन के बच्चों की खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्या और विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य दीपक गुलाटी ने शिरकत की। जहाँ बाल दिवस के अवसर पर आज कई खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 100/200 मीटर दौड़ / चम्मच दौड़ /बोरा दौड़ / रस्साकशी म्यूजिकल चेयर, खो-खो, कबड्डी, रिंग गेम, शार्टपुट, लाँग जम्प शामिल रहे साथ ही मंत्री रेखा आर्या ने विजेता/उपविजेता रहे प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री रेखा आर्या ने स्वयं रस्साकस्सी में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन व उनका हौसला बढ़ाया साथ ही सभी प्रतिभागियों को शुभकामनायें दीं और कहा कि खेल हमें तनावमुक्त रखने के साथ ही टीम भावना सिखाता है।

खेल मंत्री ने कहा कि खेल हमारे जीवन का आवश्यक हिस्सा है। स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है, ऐसे में खेल इस तनाव को दूर करने का बेहतर माध्यम है,जिस तरह दिमाग का सही विकास के लिए शिक्षा जरूरी है, उसी तरह शारीरिक विकास के लिए खेल महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा के माध्यम से हम टीम भावना नहीं सीख सकते, लेकिन खेल से यह संभव है। खेल मंत्री ने कहा कि अभिवावकों को अपने स्तर पर ही बच्चों को खेल से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ।ऐसे में जरूरत है हमें पढ़ाई के बराबर खेलों को महत्व देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खेल में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, कई बार अपेक्षा के अनुरूप परिस्थिति आती है उन परिस्थितियों में संघर्ष करके आगे बढ़ना है। खेल में और जीवन में कई संघर्ष व उतार चढ़ाव आते हैं जो पार्ट आफ लाइफ है और इन संघर्षों से इन दिक्कतों से सफलतापूर्वक निकल जाना आर्ट आफ लाइफ है। शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए खेल सबसे अच्छा तरीका है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 9 संस्थाओ के बच्चों ने प्रतिभाग किया जिनमे 7 से 18 आयु वर्ग के बच्चों के बीच अलग -अलग खेल की प्रतियोगिता आयोजित कराई गई।

वहीं बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य दीपक गुलाटी ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खेल एक ऐसा माध्यम है जिसके जरिये हम तनाव मुक्त रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज बाल दिवस के अवसर पर बालक और बालिका निकेतन के बच्चों के मध्य इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से कहीं ना कहीं उनके चेहरे पर मुस्कान आयी है। जिसके लिए दीपक गुलाटी नें बाल विकास मंत्री श्री मती रेखा आर्या जी का बाल आयोग की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया हैं! इस अवसर पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य दीपक गुलाटी ,निदेशक खेल जितेंन्द्र सोनकर , उपनिदेशक खेल एस० के० सिह , डीपीओ अखिलेश मिश्रा ,प्रधानाचार्य महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज राजेश ममगाई , जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरुंग सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न संस्थाओ के प्यारे -प्यारे बच्चे उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर एसएसपी अजय सिंह ने बस में बच्चों में बांटी चॉकलेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 15 नवम्बर , चिल्ड्रंस डे पर एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह को अपनी स्कूल बस में पाकर पहले तो स्कूली बच्चे चौंक गए लेकिन ये उनके लिए आने वाली ख़ुशी की शुरुआत थी। उन्होंने पहले तो वर्दी में कप्तान को देखा और फिर उनके हाथ में चॉकलेट का डब्बा भी दिखाई दिया। फिर क्या उसके बाद तो गदगद हो उठे बच्चे देहात क्षेत्र (मंगलौर) भ्रमण से वापस लौटते समय एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह सामने से आ रही स्कूल बस में अचानक चढ़ गए। जहां बच्चों के साथ खुशनुमा पल बिताते हुए उनको चिल्ड्रंस डे की शुभकामनाएं दी। अचानक एसएसपी को अपने बीच पाकर आश्चर्यचकित हुए बच्चों को चॉकलेट वितरित की गई एवं हल्के फुल्के अंदाज में कुछ सवाल भी पूछे गए जिस पर सही जवाब देने वाले छात्रों को दो-दो चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। चहल पहल के इस माहौल में बच्चों को ₹भविष्य के सपनों को साकार करने हेतु जरूरी टिप्स₹ दिए। एसएसपी अजय सिंह पहले भी बतौर एसपी सिटी देहरादून रहते हुए चिल्ड्रंस डे पर ऐसे ही अचानक बच्चों से मुलाकात कर उनकी हौसलाअफजाई की थी।

त्याग संघर्ष और ज्ञान की त्रिवेणी थे पंडित जवाहरलाल नेहरू : सूर्यकान्त धस्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 नवम्बर , देश के प्रथम प्रधानमंत्री महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरु की 133 वीं जन्म जयंती के अवसर पर आज मंगलादेवी इंटर कालेज ईसी रोड पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों द्वारा देशभक्ति के गीत गाये गए व सभी अध्यापक अध्यापिकाओं प्रबंध समिति के पदाधिकारियों , कर्मचारियों ,छात्र छात्राओं ने सामुहिक भोज किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंगला देवी इंटर कालेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने सभी छात्र छात्राओं को फल वितरित किये। उन्होंने अपने संबोधन में स्कूल के बच्चों के साथ साथ राज्य व देश के सभी बच्चों को बाल दिवस की बधाई व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों व युवा पीढ़ी के लिये पंडित जवाहरलाल नेहरू का जीवन व व्यक्तित्व प्रेरणादायक है ।

उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म से लेकर उनकी मृत्यु तक का सफर अगर देखें और समझें तो एक सम्पन्न परिवर में जन्मे व उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे पूरा जीवन शान शौकत व आराम के साथ व्यतीत कर सकते थे लेकिन उन्होंने उच्च कोटि के बैरिस्टर होने के बावजूद भारत की आजादी के लिए संघर्ष का रास्ता चुना व महात्मा गांधी के नेतृत्व में वे आज़ादी के संग्राम में कूद गए, विदेशी पहनावा सूट बूट छोड़ कर खद्दर धारण कर लिया व अनेकों बार अनेकों वर्षों तक जेल में रहे। जेल में रहकर अनेक पुस्तकें लिखी व देश की आज़ादी के बाद जब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने तो आधुनिक भारत की आधारशिला रखी।

सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि इलाहाबाद जो प्रयागराज है जहां गंगा जमुना व सरस्वती का संगम त्रिवेणी है वहां जन्में जवाहरलाल नेहरु का व्यक्तित्व भी त्याग तपस्या व ज्ञान की त्रिवेणी है इसलिए उनका जीवन उनका व्यक्तित्व वास्तव में अनुकरणीय है। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक लोकेश बहुगुणा, प्रधानाचार्य गायत्री , दिव्यांशु नौटियाल, शालिनी, कुलदेही रावत, जूनियर हाई स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमति मधु रावत, प्राइमरी स्कूल की प्रधान अध्यापिका अंजुल बहुगुणा व सभी अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं व स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता कपूर सिंह पंवार ने किया।